सुपर बाजार, नई दिल्ली

786. रामगोपाल शालवाले : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सुपर बाजार, नई दिल्ली में बेची गई वस्तुओं की घटिया किस्म तथा ऊंची कीमतों के बारे में अब तक कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(ख) उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिंदे): (क) भारत सरकार को सुपर बाजार द्वारा बाजार भावों की अपेक्षा अधिक भाव लेने के बारे में केवल चार शिकायतें मिली थीं। इन में से दो शिकायतें दवाइयों और दो प्रैशर कुकर के बारे में थीं। सभी शिकायतों की जांच-पड़ताल की गई और यह देखा गया है कि केवल एक मामले में सुपर बाजार के सेल्समैन ने शिकायत-कर्ता से गलती से कुछ भेषजीय कैपसूलों के दाम अधिक लिये थे। सुपर बाजार अधिक ली गई राशि को लौटाना मान गया। अन्य मामलों में ज्यादा दाम लेने के आरोप सिद्ध नहीं हुए क्योंकि जो मूल्य लिया गया था वह निर्माता द्वारा निर्धारित मूल्य के अनुरूप था और कम भी था।

(ख) सुपर बाजार द्वारा घटिया किस्म की वस्तुओं को बेचने के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है।

सुपर बाजार, नई दिल्ली

787. श्री रामगोपाल शालवाले : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सुपर बाजार, नई दिल्ली ने अपना व्यापार चलाने के लिये 80 लाख रुपये का ऋण लिया है ;

(ख) यदि हां, तो इस ऋण पर कितना ब्याज लिया जायेगा ;

(ग) जिन वस्तुओं पर यह धन-राशि लगायी जायेगी उन से कितने प्रतिशत लाभ होगा ; और

(घ) सुपर बाजार, नई दिल्ली को आत्म-निर्भर बनाने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिंदे): (क) सुपर बाजार ने सिंडीकेट बैंक लि० से 80 लाख रुपये का नकद ऋण लेने का प्रबन्ध किया है। उक्त राशि में से अब तक वास्तव में 53 लाख रुपये का ऋण लिया गया है।

(ख) सिंडीकेट बैंक लि० से लिये गये ऋण पर ब्याज की दर 9 प्रतिशत प्रति वर्ष है। तथापि, इस निधि के कई बार व्यापार में लगाते रहने पर निर्भर करते हुए लागत ढांचे पर ब्याज का भार बहुत कम पड़ेगा।

(ग) सुपर बाजार में बिकने वाली वस्तुओं पर सकल औसत गुंजाइश लगभग 9 प्रतिशत है।

(घ) सुपर बाजार की तीसरी शाखा खुलने से इस संगठन का पहला सोपान पूरा हो जाएगा। आशा है कि इसके बाद बाजार को कुछ लाभ होने लगेगा।

Subsidy price of rice and wheat in Kerala

788. Shri E. K. Nayanar:
Shri Umanath:
Shri P. Gopalan:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether the Central Government